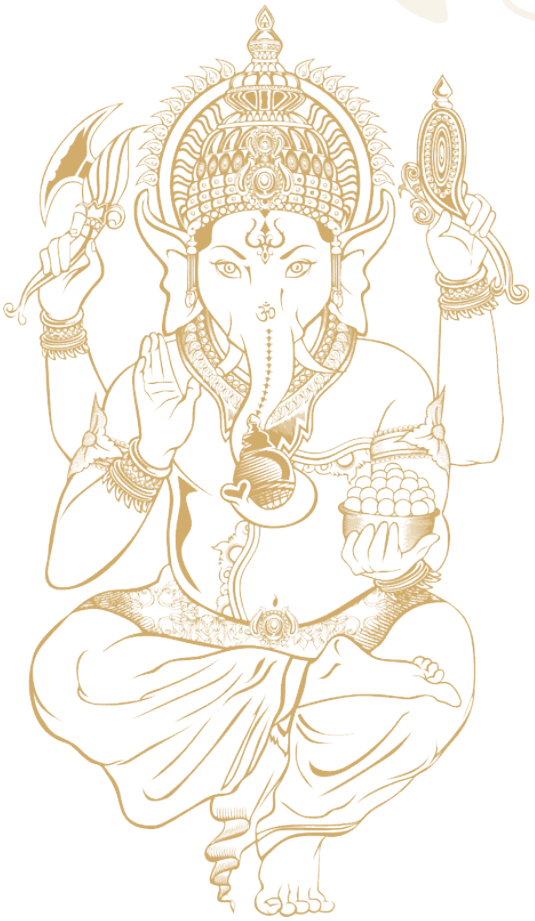

???? ????? ???????

29 Jun 1989

03:37 AM

Kolkata

Model: web-freekundliweb

Order No: 121241404

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**28-29/06/1989**
दिन	बुध-गुरुवार
जन्म समय	**03:37:00 घंटे**
इष्ट	56:45:43 घटी
स्थान	**Kolkata**
राज्य	West Bengal
देश	India

अक्षांश	22:34:00 उत्तर
रेखांश	88:21:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	00:23:24 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	04:00:24 घंटे
वेलान्तर	-00:03:10 घंटे
साम्पातिक काल	22:28:18 घंटे
सूर्योदय	04:54:42 घंटे
सूर्यास्त	18:24:48 घंटे
दिनमान	13:30:05 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	उत्तर
ऋतु	वर्षा
सूर्य के अंश	13:26:59 मिथुन
लग्न के अंश	24:30:44 वृष

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	वृष - शुक्र
राशि-स्वामी	**मेष - मंगल**
नक्षत्र-चरण	**भरणी - 2**
नक्षत्र स्वामी	शुक्र
योग	सुकर्मा
करण	बव
गण	मनुष्य
योनि	गज
नाड़ी	मध्य
वर्ण	क्षत्रिय
वश्य	चतुष्पाद
वर्ग	मृग
युँजा	पूर्व
हंसक	अग्नि
जन्म नामाक्षर	लू-लूनेश
पाया(राशि-नक्षत्र)	लौह - स्वर्ण
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	कर्क

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			वृष	24:30:44	347:36:10	मृगशिरा	1	5	शुक्र	मंगल	राहु	---
सूर्य			मिथु	13:26:59	00:57:14	आर्द्रा	3	6	बुध	राहु	बुध	सम राशि
चंद्र			मेष	17:13:53	14:18:24	भरणी	2	2	मंगल	शुक्र	चंद्र	सम राशि
मंगल			कर्क	13:57:40	00:37:24	पुष्य	4	8	चंद्र	शनि	राहु	नीच राशि
बुध			वृष	23:51:06	01:33:31	मृगशिरा	1	5	शुक्र	मंगल	मंगल	मित्र राशि
गुरु			वृष	29:17:59	00:13:40	मृगशिरा	2	5	शुक्र	मंगल	शनि	शत्रु राशि
शुक्र			कर्क	05:49:09	01:13:00	पुष्य	1	8	चंद्र	शनि	बुध	शत्रु राशि
शनि	व		धनु	17:10:33	00:04:25	पूर्वाषाढ़ा	2	20	गुरु	शुक्र	चंद्र	सम राशि
राहु	व		कुंभ	03:20:21	00:04:37	धनिष्ठा	4	23	शनि	मंगल	शुक्र	मित्र राशि
केतु	व		सिंह	03:20:21	00:04:37	मघा	2	10	सूर्य	केतु	सूर्य	शत्रु राशि
हर्ष	व		धनु	09:28:04	00:02:26	मूल	3	19	गुरु	केतु	शनि	---
नेप	व		धनु	17:23:52	00:01:37	पूर्वाषाढ़ा	2	20	गुरु	शुक्र	मंगल	---
प्लूटो	व		तुला	18:48:51	00:00:47	स्वाति	4	15	शुक्र	राहु	चंद्र	---
दशम भाव			कुंभ	11:32:29	--	शतभिषा	--	24	शनि	राहु	शनि	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:42:46

लग्न-चलित

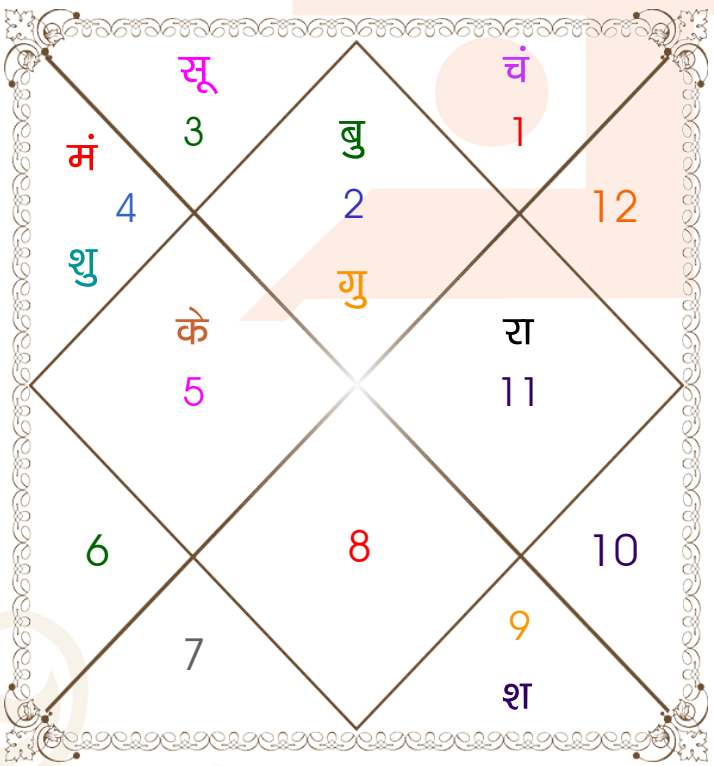

चन्द्र कुंडली

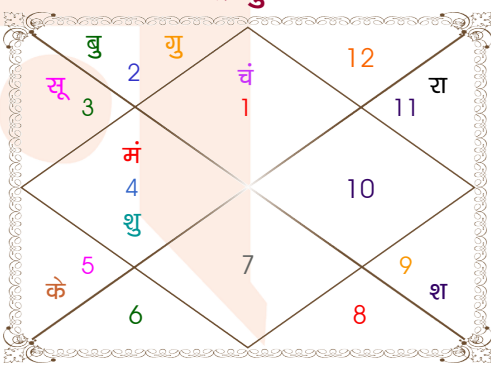

नवमांश कुंडली

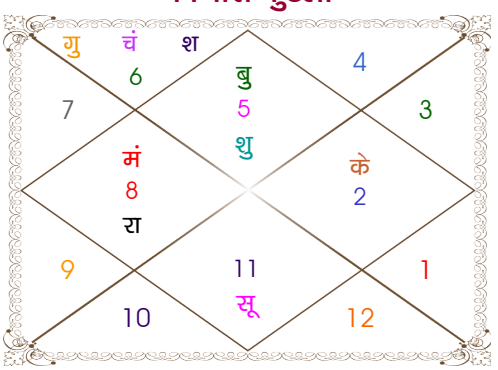

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : शुक्र 14 वर्ष 1 मास 25 दिन

शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष	
29/06/1989		24/08/2003		23/08/2009		24/08/2019		24/08/2026	
24/08/2003		23/08/2009		24/08/2019		24/08/2026		23/08/2044	
	00/00/0000	सूर्य	12/12/2003	चंद्र	24/06/2010	मंगल	20/01/2020	राहु	06/05/2029
	29/06/1989	चंद्र	11/06/2004	मंगल	23/01/2011	राहु	07/02/2021	गुरु	29/09/2031
चंद्र	23/08/1989	मंगल	17/10/2004	राहु	24/07/2012	गुरु	13/01/2022	शनि	05/08/2034
मंगल	24/10/1990	राहु	11/09/2005	गुरु	23/11/2013	शनि	22/02/2023	बुध	22/02/2037
राहु	23/10/1993	गुरु	30/06/2006	शनि	24/06/2015	बुध	20/02/2024	केतु	12/03/2038
गुरु	23/06/1996	शनि	12/06/2007	बुध	23/11/2016	केतु	18/07/2024	शुक्र	12/03/2041
शनि	24/08/1999	बुध	17/04/2008	केतु	24/06/2017	शुक्र	17/09/2025	सूर्य	04/02/2042
बुध	24/06/2002	केतु	23/08/2008	शुक्र	22/02/2019	सूर्य	23/01/2026	चंद्र	06/08/2043
केतु	24/08/2003	शुक्र	23/08/2009	सूर्य	24/08/2019	चंद्र	24/08/2026	मंगल	23/08/2044

गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष	
23/08/2044		23/08/2060		24/08/2079		23/08/2096		25/08/2103	
23/08/2060		24/08/2079		23/08/2096		25/08/2103		00/00/0000	
गुरु	11/10/2046	शनि	27/08/2063	बुध	20/01/2082	केतु	19/01/2097	शुक्र	24/12/2106
शनि	24/04/2049	बुध	06/05/2066	केतु	17/01/2083	शुक्र	21/03/2098	सूर्य	25/12/2107
बुध	31/07/2051	केतु	15/06/2067	शुक्र	17/11/2085	सूर्य	27/07/2098	चंद्र	30/06/2109
केतु	05/07/2052	शुक्र	15/08/2070	सूर्य	23/09/2086	चंद्र	25/02/2099		00/00/0000
शुक्र	06/03/2055	सूर्य	28/07/2071	चंद्र	23/02/2088	मंगल	25/07/2099		00/00/0000
सूर्य	24/12/2055	चंद्र	25/02/2073	मंगल	19/02/2089	राहु	12/08/2100		00/00/0000
चंद्र	24/04/2057	मंगल	06/04/2074	राहु	08/09/2091	गुरु	19/07/2101		00/00/0000
मंगल	31/03/2058	राहु	10/02/2077	गुरु	14/12/2093	शनि	28/08/2102		00/00/0000
राहु	23/08/2060	गुरु	24/08/2079	शनि	23/08/2096	बुध	25/08/2103		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल शुक्र 14 वर्ष 1 मा 26 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपके जन्म आकृति से यह स्पष्ट हो रहा है कि जिस समय आपका जन्म हुआ था, उस समय मेदिनीय क्षितिज पर वृष लग्न के साथ-साथ सिंह नवमांश एवं मकर राशि का द्रेष्काण का प्रभाव भी आपके जन्मकाल पर पड़ रहा था। मृगशिरा नक्षत्र के प्रथम चरण में जन्मप्रभाव से ऐसा विदित हो रहा है कि आपके प्रारंभिक जीवन के 28 वें वर्ष से अच्छा समय प्रारंभ हो जाएगा।

वृष लग्न पृथ्वी तत्व का सूचक है। इस लक्षण से आप उत्साह पूर्वक सुख आनंद तथा भोग विलास संबंधी वस्तुओं की प्राप्ति अपने प्रभुत्व रीति से जो कुछ भी हो संभाव्य है। उसके कार्य अथवा कर्तव्य, सेवा कार्यादि यथार्थ रूप से प्राप्त करने की कोई संभावना नही है। आप उपयुक्त समय पर अपने मस्तिष्क को कार्य रूप बनाकर कार्यरंभ एवं कार्य संपादन की प्रतीक्षा करेंगे। कार्यात्मक करने का प्रयास आकस्मिक रूप से अच्छी प्रकार करेंगे। ताकि आप लक्ष्य की प्राप्ति हेतु कार्य संपादित कर सकेंगे।

आप अपनी योजना के बारे में सैद्धांतिक रूप से पूर्ण एकाग्रचित होकर, कार्यारंभ करेंगे। आप सामान्यतः बहुत शांत चित्त प्रवृति के प्राणी हैं। परंतु यदि कोई भी व्यक्ति आपके रास्ते में आकर आपके उद्देश्य का उलंघन करना अथवा आपको पराजित करना चाहे तो आप निश्चित रूप से बिना हिचकिचाहट के ज्वालामुखी की तरह विस्तृत रूपेण बलपूर्वक अपने शत्रुओं को परास्त कर देंगे। उदाहरण स्वरूप कोई अन्य आपकी उन्नति में बाधा पहुंचाए अथवा इस प्रकार का कोई संदेहात्मक अनैतिक एवं व्यवधानकारी विचार नही करेगा। आप भविष्य की बिना प्रतीक्षा किए पुनः उसे प्रवृत्ति को त्याग देना चाहते है ताकि आपकी छवि धूमिल न हो सके।

आपके लिए आपकी छवि महत्वपूर्ण है। क्योंकि आपका व्यक्तित्व प्रभावशाली है। आप मध्यम कद के सशक्त मांसल युक्त गठीला एवं ठोस शरीरिक से सशक्त है। आपके विस्तृत कंधे एवं पूर्ण विकसित छाती आपकी प्रतिभा को चमत्कृत करता है।

आप जब आवेश में आकर सांसारिक वासनामय आरामदायक सुखों की तलाश में कामोत्तेजक एवं व्यभिचारिक बहाव में आ जाते है। तो इसकी पूर्ति हेतु अपने गुप्तांगो की क्षति का जोखिम भी उठाकर असीमित सुख भोग में लिप्त हो जाते हैं। आपको इस प्रकार की प्रवृति का त्याग करना चाहिए।

इसके अतिरिक्त आप किसी प्रकार की स्थिति को सुखद बनाने के लिए कृतसंकल्प रहते हैं। आप अपने पारिवारिक सदस्यों के साथ शांति एवं प्रसन्नता पूर्वक जीवन बिताना चाहते हैं। आपकी पत्नी अच्छी है जो निरंतर आपके अनुकूल आपकी सहायता के लिए स्वेच्छा पूर्वक प्रस्तुत रहती है। आप अपने परिवार को अच्छी प्रकार चलाने की भूमिका पूर्ण रूपेण संघर्षरत रह कर निभाने के लिए प्रयास करते रहोगे।

आप में दो प्रकार की उत्कंठा विद्यमान है। सर्व प्रथम आप सदैव ही धनोपार्जन करना चाहते हैं तथा दूसरा आपको अपने शारीरिक कष्ट से छुटकारा पाने की उत्कंठा बनी रहती

है। यद्यपि सामान्यतः आपका स्वास्थ्य उत्तम रहेगा तथापि आपकी बांह पर कोई साधारण कटने अथवा टूटने के अतिरिक्त आपके कंधों में दर्द हो सकता है। आपको अपने स्वास्थ्य के प्रति सतर्क रहना होगा। क्योंकि आप में स्वास्थ्य लाभ करने की शक्ति क्षीण हो गई है। जिस वजह से आप शीघ्रता पूर्वक पूर्ण रूपेण स्वास्थ्य लाभ प्राप्त करने में असमर्थ रहेंगे। हर दृष्टिकोण से यह संभव है कि आप शारीरिक रूप से स्वस्थ्य रहेंगे।

ध्यान दें आपके लिए अनुकूल अंक 2 एवं 8 अंक है जिसे आप उत्तम समझकर व्यवहार में ला सकते हैं। सप्ताह के शुक्रवार एवं शनिवार आपके लिए अच्छा दिन है। इसके अतिरिक्त बुधवार का दिन आपके साझीदारी व्यवसाय हेतु उत्तम एवं समयोचित है। रविवार, गुरूवार सोमवार, एवं मंगलवार का दिन आपके लिए अपव्ययकारी हो सकता है।